प्र० हरिहार काका पाठ के आधार पर महंत का चरित्र कीजिए।

कहानी के अनुसार महंत एक चालाक और धूर्त व्यक्ति था। वह चिकनी-चुपड़ी बातें बोलकर दूसरों के जमीन और धन को हड़पता था। वे ईश्वर के घर का महंत, पुजारी होने के बावजूद डकैती जैसे काम करता था जो यह दिखाता है कि उसमें ईश्वर का डर बिलकुल भी नहीं था और वह धर्म पुजारी के नाम पर कलंक था।